4. प्रश्न-अभ्यास

(पृष्ठ 31-33)

निबंध से

प्रश्न 1. **पाठ में ऐसा क्यों कहा गया है कि अक्षरों के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई?**

उत्तर–यह सत्य है कि अक्षरों की खोज के साथ नए युग का प्रारंभ हुआ। व्यक्ति अपने विचार लिखकर रखने लगा जिससे इतिहास का प्रारंभ हुआ और एक पीढ़ी के विचार दूसरी पीढ़ी तक पहुँचने लगे। अक्षरों की खोज के कारण ही पिछले छह हजार वर्षों में मानव जाति ने तेज़ी से विकास किया है। वह इसी कारण सभ्य भी कहलाने लगा।

प्रश्न 2. **अक्षरों की खोज का सिलसिला कब और कैसे शुरू हुआ? पाठ पढ़कर उत्तर लिखो।**

उत्तर–सर्वप्रथम मनुष्य ने अपने विचारों को प्रकट करने के लिए पशुओं, पक्षियों आदि के चित्र बनाए। पशु-पक्षियों आदि के चित्रों के बाद उसने अपने भावों को व्यक्त करने के लिए विभिन्न चित्रों का प्रयोग करना आरंभ कर दिया। जैसे एक छोटे वृत्त के चारों ओर रेखाएँ खींचकर सूर्य का चित्र बना दिया जाता था। बाद में यही चित्र धूप व ताप के लिए काम में लाया जाने लगा। बहुत समय बीत जाने के बाद अक्षरों की खोज हुई। अक्षरों की खोज का सिलसिला लगभग छह हज़ार वर्ष पहले आरंभ हुआ था।

प्रश्न 3. **अक्षरों के ज्ञान से पहले मनुष्य अपनी बात को दूर-दराज़ के इलाकों तक पहुँचाने के लिए किन-किन माध्यमों का सहारा लेता था?**

उत्तर–अक्षरों के ज्ञान से पहले मनुष्य अपनी बात को दूर-दराज़ के इलाकों तक पहुँचाने के लिए चित्रों का सहारा लेता था। वह पशु-पक्षियों, आदमियों तथा अन्य वस्तुओं के चित्र बनाकर अपनी बात दूर-दूर के इलाकों में पहुँचाता था। पशु-पक्षियों आदि के चित्रों के बाद वह अपने भावों को संकेत चित्रों द्वारा दर्शाने लगा।

निबंध से आगे

प्रश्न 1. **अक्षरों के महत्त्व की तरह ध्वनि के महत्त्व के बारे में जितना जानते हो, लिखो।**

उत्तर–अक्षरों और भाषा का गहरा संबंध है। भाषा को अक्षरों की सहायता से ही लिखा जाता है। जिस प्रकार भाषा के लिखित रूप और अक्षरों का परस्पर अटूट संबंध है, उसी प्रकार भाषा के मौखिक रूप का ध्वनियों से अटूट संबंध है। मौखिक भाषा का आदान-प्रदान ध्वनियों द्वारा ही संभव है। यदि हम अपनी बात दूसरों तक पहुँचाना चाहते हैं और दूसरों के भावों और विचारों को जानना चाहते हैं तो उसके लिए ध्वनि संकेतों का ज्ञान आवश्यक है। जैसे लिखित भाषा के लिए अक्षर आवश्यक है उसी प्रकार मौखिक भाषा के लिए ध्वनि आवश्यक है। मौखिक भाषा का आधार ध्वनि है। ध्वनि के बिना मौखिक भाषा अस्तित्व में आ ही नहीं सकती। अतएव ध्वनि का बहुत महत्त्व है।

प्रश्न 2. **मौखिक भाषा का जीवन में क्या महत्त्व होता है? इस पर शिक्षक के साथ कक्षा में बातचीत करो।**

Saranya Ray

उत्तर–मौखिक भाषा का जीवन में बहुत महत्त्व है। सच्चाई तो यह है कि लिखित भाषा के बिना हम जीवन बसर कर सकते हैं, पर मौखिक भाषा के बिना जीवन में काम नहीं चल सकता। व्यावहारिक जीवन में हम मौखिक भाषा को ही अधिक व्यवहार में लाते हैं। लिखित भाषा का प्रयोग प्रायः पत्र-व्यवहार तथा औपचारिक कार्यों में होता है, पर मौखिक भाषा का प्रयोग हमें पग-पग पर करना पड़ता है क्योंकि प्रत्येक बात को लिखकर कहना न तो संभव होता है और न ही आवश्यक ही। लिखित भाषा के लिए अक्षर ज्ञान तो आवश्यक है ही, उसे लिखने और पढ़ने के लिए भी मौखिक भाषा की तुलना में अधिक समय चाहिए।

इसके अतिरिक्त शिक्षक से भी बातचीत करें।

प्रश्न 3. हर वैज्ञानिक खोज के साथ किसी-न-किसी वैज्ञानिक का नाम जुड़ा होता है, लेकिन अक्षरों के साथ ऐसा नहीं है, **क्यों? पता करो और शिक्षक को बताओ।**

उत्तर–इसमें कोई संदेह नहीं कि हर वैज्ञानिक खोज के साथ किसी-न-किसी वैज्ञानिक का नाम जुड़ा होता है, पर अक्षरों के साथ ऐसा नहीं है क्योंकि अक्षरों की खोज नहीं हुई, इनका विकास हुआ। यह विकास लंबी प्रक्रिया है। इसमें किसी एक व्यक्ति विशेष का योग नहीं रहा। मनुष्य ने धीरे-धीरे अपनी ध्वनियों को अक्षर रूप में ढाला। इसलिए अक्षरों के साथ किसी एक व्यक्ति का नाम नहीं जोड़ा जा सकता।

प्रश्न 4. एक भाषा को कई लिपियों में लिखा जा सकता है। उसी तरह कई भाषाओं को एक ही लिपि में लिखा जा सकता है। नीचे एक ही बात को अलग-अलग भाषाओं में लिखा गया है। **इन्हें ध्यान से देखो और इनमें दिए गए वर्णों की मदद से कोई नया शब्द बनाने की कोशिश करो–**